NBT
नवभारत टाइम्स

पहले दिन पढ़ाई और घर में बीते वक्त की बातें

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | गुरुवार, 2 सितम्बर 2021 www.delhi.nbt.in

तेज बारिश में भी स्कूल पहुंचे स्टूडेंट्स, अटेंडेंस रही कम

स्कूलों का कहना है कि वो कोविड प्रोटोकॉल का पूरा पालन करते हुए बच्चों को बुला रहे हैं

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** भारी बारिश के बीच दिल्ली के कई स्कूल खुले। 9वीं से 12वीं तक के कई स्टूडेंट्स भीगते हुए, पानी से भरी सड़कों को पार करते हुए स्कूल पहुंचे। हालांकि, ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बुधवार को बंद रहे और वे दो-तीन दिन बाद या अगले हफ्ते स्कूल खुलेंगे। सभी सरकारी स्कूल खुले मगर बारिश और पहला दिन होने की वजह से स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादातर स्कूलों में काफी कम रही। स्कूलों का कहना है कि अभी उन्हें काफी पैरेंट्स से लिखित सहमति नहीं मिली है। कोविड के डर से पैरेंट्स अभी स्थिति और स्कूल की अटेंडेंस का जायजा ले रहे हैं। ग्राफ धीरे-धीरे ही बढ़ेगा।

'महीनों बाद दोस्तों से हुई मुलाकात'

'कोविड की सेकंड वेव के बाद क्लास में मेरा पहला दिन स्पेशल रहा। बारिश थी मगर फिर भी स्कूल पहुंचा। टीचर आमने-सामने थे और दोस्तों से भी कई महीने बाद मिला। ऑफलाइन क्लास का एक्सपीरियंस ही अलग है। हालांकि, 10-15 के बीच ही स्टूडेंट्स स्कूल आए थे। बाकी स्टूडेंट्स के लिए हमारी क्लास को ही लाइव किया गया।' यह कहना है कि पीतमपुरा के एम एम पब्लिक स्कूल के 12वीं के स्टूडेंट रवि हसीजा का।

रवि की तरह ही कई स्टूडेंट्स कोविड की दूसरी लहर के बाद लंबे अरसे बाद स्कूल पहुंचे। उनके लिए स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर, बैग और टीफिन के साथ स्कूल पहुंचना बहुत खास था। सर्वोदय बाल विद्या मंदिर विनोद नगर की 12वीं की स्टूडेंट खुशी भी करीब 6 महीने बाद स्कूल आने से खुश थीं। वह कहती हैं, 'मैं इस दिन का कई महीनों से इंतजार कर रही थी इसलिए तेज बारिश के बीच भी पहुंची। कोविड को लेकर मैं अलर्ट हूं, हर नियम को फॉलो कर रही हूं मगर अब घरों में बंद रहना मुश्किल हो गया है।'

कुछ दिनों में बढ़ेगा स्टूडेंट्स का ग्राफ

स्कूल पहुंचने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स में 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स थे। बारिश के बावजूद कुछ स्कूलों में काफी अच्छा रिस्पॉन्स रहा। सर्वोदय बाल विद्यालय वेस्ट विनोद नगर में चारों क्लासेज के 80% बच्चे पहुंचे। स्कूल के प्रिंसिपल एल. के. दुबे ने बताया, 'हमने 50% बच्चों को बुलाया है। पहले दिन बच्चों का जोश देखने लायक था, बरिश के बावजूद वे स्कूल में थे। हम कोविड प्रोटोकॉल का पूरा पालन करते हुए बच्चों को बुला रहे हैं।' रोहिणी सेक्टर-21 के गवर्नमेंट को-एड सर्वोदय विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल डॉ. सुखबीर सिंह यादव ने बताया, 'बारिश और वॉटर लॉगिंग की वजह से पहले दिन कम बच्चे पहुंचे। मगर 10वीं और 12वीं से हमें प्रैक्टिकल्स के लिए अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।'

कई स्कूल खुलेंगे आज

प्राइवेट स्कूलों में बच्चों की संख्या कुछ कम रही। कई स्कूल गुरुवार या शुक्रवार से खुलेंगे तो कई स्कूल अगले हफ्ते। रोहिणी के माउंट आबू पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा बताती हैं, 'पहले दिन स्टूडेंट्स की अटेंडेंस कम रही, करीब 40% स्टूडेंट्स स्कूल पहुंचे। मगर बारिश को देखते हुए यह अच्छी शुरुआत रही।' डीपीएस आर. के. पुरम की प्रिंसिपल दीक्षा खेड़ा ने बताया, 9वीं और 11वीं के लिए आज स्कूल खोलेंगे।'

वैक्सीनेशन एरिया किए कवर, एंट्री भी अलग

Poonam.Gaur@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** हिचक और बारिश की वजह से पहले दिन स्कूलों में बच्चे काफी कम संख्या में पहुंचे। अधिकांश प्राइवेट स्कूल बंद दिखे तो कुछ में पहले की तरह ही 10वीं और 12वीं के ही बच्चे पहुंचे। अन्य क्लास के बच्चों को स्कूलों ने बुलाया ही नहीं।

सर्वोदय बाल विद्यालय नंबर दो, पालम गांव : इस स्कूल में वैक्सीनेशन सेंटर भी चल रहा है। स्कूल दो शिफ्ट में चलता है। पहली शिफ्ट में 30 से 40 बच्चे आए। स्कूल से मिली जानकारी के अनुसार बारिश की वजह से बच्चे कम पहुंचे। फिलहाल स्कूल ने वैक्सीनेशन वाले एरिया को कवर कर दिया है। वहां की एंट्री भी अलग बनाई गई है, लेकिन बारिश की वजह से स्कूल के एक गेट पर काफी पानी भरा था, इस वजह से बुधवार को एक ही गेट खुला। बच्चों की एंट्री के समय वैक्सीनेशन का काम शुरू नहीं हुआ था। इसलिए बच्चे मिक्स अप नहीं हुए, लेकिन जैसे जैसे अन्य क्लासेज शुरू होंगी वैसे-वैसे वैक्सीनेशन के साथ-साथ क्लास चलाने में दिक्कतें आने की बात कही जा रही है। 12 बजे छुट्टी के बाद क्लासों को पूरी तरह सैनिटाइज किया गया और फिर दूसरी शिफ्ट के बच्चे अंदर आए। वैक्सीनेशन सेंटर वाले सरकारी स्कूलों के संचालकों को पहले दिन एक बड़ी समस्या आई। जिन स्कूलों में वैक्सीनेशन केंद्र हैं वहां बच्चों को ओपन स्पेस में लंच कराने की व्यवस्था संभव ही नहीं हो रही है।

- बारिश और हिचक के बीच बच्चे पहुंचे कम
- जिन स्कूलों में वैक्सीनेशन सेंटर चल रहे हैं उनके पास नहीं हैं लंच के लिए ओपन स्पेस

वीएसपीके इंटरनैशनल स्कूल में लैब वर्क करते स्टूडेंट्स।

स्टूडेंट्स बोले, ऑफलाइन क्लास की बात ही कुछ और है

बहुत बारिश हो रही थी मगर मुझे स्कूल जाना ही था क्योंकि मैं कई महीनों से अपने दोस्तों, टीचर्स और स्कूल को मिस कर रही हूं। कोविड-का डर है, लेकिन पढ़ाई को पीछे नहीं छोड़ सकते।

- हृदया, क्लास 11

आज की क्लास ऑनलाइन क्लास से बहुत बेहतर थी। ऑनलाइन लर्निंग कई बार मुश्किल रही, चाहे टीचर्स पूरी कोशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि दो-तीन दिन में और भी स्टूडेंट्स आएंगे।

- आर्यन, क्लास 10

दोस्तों और टीचरों से मिलकर काफी खुशी हो रही है। यहां कोरोना नियमों का पूरी तरह से पालन हो सके, इसके सभी इंतजाम भी है। हम जल्द अपने बाकी दोस्तों को आने के लिए भी कह रहे हैं।

-अरविंद

कोरोना से बचाव को लेकर सेफ्टी के पूरे इंतजाम हैं। पानी की बोतल साथ ला रहे हैं। 3 घंटे ही स्कूल में रहना पड़ रहा है, ऐसे में घर पर ही लंच करते हैं। इससे हमारा और बचाव हो रहा है।

-लक्ष्य